



मॉडल पाठ्यक्रम

क्यूपी का नाम: जल मित्रा

क्यूपी कोड: PSC/Q0117

क्यूपी संस्करण: 1.0

एनएसक्यूएफ स्तर: 4

मॉडल पाठ्यचर्या संस्करण: 1.0

वाटर मैनेजमेंट एंड प्लंबिंग स्किल काउंसिल || यूनिट- 606 और 609, टॉवर-C, डीएलएफ प्राइम टावर्स,
फेज-1, ओखला, दिल्ली, 110020

विषयसूची

प्रशिक्षण मानदंड.....	2
कार्यक्रम का विवरण	3
प्रशिक्षण के परिणाम.....	3
अनिवार्य मॉड्यूल	3
मॉड्यूल का विवरण	5
मॉड्यूल 1: जल जीवन मिशन और कार्य भूमिका का परिचय.....	5
मॉड्यूल 2: जल संरक्षण.....	6
मॉड्यूल 3: गंदे पानी का प्रबंधन.....	8
मॉड्यूल 4: दूरस्थ जल निगरानी और प्रबंधन.....	10
मॉड्यूल 5: सामाजिक संलग्नता	11
मॉड्यूल 6: सेवा वितरण और प्रबंधन	13
मॉड्यूल 7: स्वास्थ्य और सुरक्षा.....	14
मॉड्यूल 8: टीम प्रभावशीलता	16
मॉड्यूल 9: संसाधनों का इष्टतम उपयोग	18
अनुलग्नक	19
प्रशिक्षक आवश्यकताएँ	19
मूल्यांकनकर्ता आवश्यकताएँ	20
मूल्यांकन रणनीति.....	21
संदर्भ	22
शब्दावली.....	22
परिवर्णी शब्द और संक्षिप्त शब्द	23

प्रशिक्षण मानदंड

क्षेत्र	प्लम्बिंग
उप-क्षेत्र	औद्योगिक/गैर-औद्योगिक प्लम्बिंग
व्यवसाय	प्लम्बिंग सिस्टम की स्थापना और रखरखाव
देश	भारत
एनएसक्यूएफ स्तर	4
एनसीओ/आईएससीओ/आईएसआईसी कोड के साथ संरेखित	NCO-2015/ 7126.9900
न्यूनतम शैक्षिक योग्यता और अनुभव	10वीं + आई.टी.आई के साथ 3 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव या 12वीं + 3 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव या 10वीं + एनएसक्यूएफ स्तर-4 प्रमाणन (प्लम्बर - सामान्य) के साथ 3 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव या सिविल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा के साथ 2 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव
पूर्व अपेक्षित लाइसेंस या प्रशिक्षण	लागू नहीं
नौकरी में प्रवेश की न्यूनतम आयु	20 वर्ष
पिछली समीक्षा की तिथि	24/02/2022
अगली समीक्षा की तिथि	24/02/2026
एनएसक्यूसी अनुमोदन की तिथि	
क्यूपी संस्करण	1.0
मॉडल पाठ्यचर्या के निर्माण की तिथि	23/06/2021
मॉडल पाठ्यक्रम वैधता की तिथि	24/02/2026
मॉडल पाठ्यचर्या संस्करण	1.0
पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि	390 घंटे
पाठ्यक्रम की अधिकतम अवधि	510 घंटे

कार्यक्रम का विवरण

यह खंड कार्यक्रम के अंतिम उद्देश्यों को इसकी अवधि के साथ सारांशित करता है।

प्रशिक्षण के परिणाम

कार्यक्रम के अंत में, शिक्षार्थी को सूचीबद्ध ज्ञान और कौशल प्राप्त होगा।

- गांव के घरों, खेतों और छोटे समुदायों में जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण और रखरखाव गतिविधियों में शामिल चरणों का पालन करना।
- गंदे पानी का पुनः उपयोग करने वाले सोक पिट और किचन गार्डन के निर्माण और मरम्मत संबंधी कार्यों में शामिल चरणों का पालन करना।
- ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रमों में उपयोग किए जाने वाले आईओटी आधारित रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम की कार्यक्षमता का आकलन करने का तरीका प्रदर्शित करना।
- योजना नियोजन, सामाजिक लामबंदी और योजनाओं के सामुदायिक स्वामित्व को बढ़ाने में ग्राम जल और स्वच्छता समितियों (VWSC) की सहायता करने के तरीके का प्रदर्शन करना।
- ग्रामीण परियोजनाओं के लिए सेवा वितरण और प्रबंधन गतिविधियों को पूरा करने के लिए उपयुक्त प्रथाओं को नियोजित करना।
- कार्यस्थल पर उपयुक्त स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं को लागू करना।
- दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से काम करने के महत्व पर चर्चा करना।
- कार्यस्थल पर संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए प्रथाओं का प्रदर्शन करना।

अनिवार्य मॉड्यूल

यह तालिका क्यूपी के अनिवार्य एनओएस के अनुरूप मॉड्यूल और उनकी अवधि को सूचीबद्ध करती है।

एनओएस और मॉड्यूल का विवरण	थ्योरी की अवधि:	प्रेक्टिकल की अवधि:	ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण की अवधि (अनिवार्य)	ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण की अवधि (अनुशासित)	कुल अवधि
ब्रिज मॉड्यूल	04:00 घंटे	00:00 घंटे	00:00 घंटे	00:00 घंटे	04:00 घंटे
मॉड्यूल 1: जल जीवन मिशन का परिचय और कार्य भूमिका	04:00 घंटे	00:00 घंटे	00:00 घंटे	00:00 घंटे	04:00 घंटे
PSC/N0146: जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण और रखरखाव एनओएस संस्करण संख्या: 1.0 एनएसक्यूएफ स्तर: 5	22:00 घंटे	40:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	82:00 घंटे
मॉड्यूल 2: जल संरक्षण	22:00 घंटे	40:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	82:00 घंटे

PSC/N0147: सोक पिट और किचन गार्डन का निर्माण और मरम्मत एनओएस संस्करण संख्या: 1.0 एनएसक्यूएफ स्तर: 5	22:00 घंटे	36:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	78:00 घंटे
मॉड्यूल 3: गंदे पानी का प्रबंधन	22:00 घंटे	36:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	78:00 घंटे
PSC/N0148: आईओटी आधारित रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम की कार्यक्षमता का आकलन करें एनओएस संस्करण संख्या: 1.0 एनएसक्यूएफ स्तर: 5	26:00 घंटे	32:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	78:00 घंटे
मॉड्यूल 4: दूरस्थ जल निगरानी और प्रबंधन	26:00 घंटे	32:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	78:00 घंटे
PSC/N0149: ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों की सहायता (VWSCs) एनओएस संस्करण संख्या: 1.0 एनएसक्यूएफ स्तर: 5	28:00 घंटे	34:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	82:00 घंटे
मॉड्यूल 5: सामाजिक संलग्नता	28:00 घंटे	34:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	82:00 घंटे
PSC/N0150: ग्रामीण परियोजनाओं के लिए सेवा वितरण और प्रबंधन गतिविधियों को पूरा करें एनओएस संस्करण संख्या: 1.0 एनएसक्यूएफ स्तर: 5	24:00 घंटे	34:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	78:00 घंटे
मॉड्यूल 6: सेवा वितरण और प्रबंधन	24:00 घंटे	34:00 घंटे	00:00 घंटे	20:00 घंटे	78:00 घंटे
PSC/N0136: कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं को लागू करें एनओएस संस्करण संख्या: 1.0 NSQF स्तर: 4	08:00 घंटे	24:00 घंटे	00:00 घंटे	08:00 घंटे	40:00 घंटे
मॉड्यूल 7: स्वास्थ्य और सुरक्षा	08:00 घंटे	24:00 घंटे	00:00 घंटे	08:00 घंटे	40:00 घंटे
PSC/N0138: प्रभावी ढंग से काम करने के उपायों को लागू करें एनओएस संस्करण संख्या: 1.0 एनएसक्यूएफ स्तर: 5	08:00 घंटे	24:00 घंटे	00:00 घंटे	06:00 घंटे	38:00 घंटे



मॉड्यूल 8: टीम प्रभावशीलता	08:00 घंटे	24:00 घंटे	00:00 घंटे	06:00 घंटे	38:00 घंटे
SGJ/N1702 कार्यस्थल पर संसाधन उपयोग का अनुकूलनNOS संस्करण संख्या: 1.0 एनएसक्यूएफ स्तर: 3	08:00 घंटे	16:00 घंटे	00:00 घंटे	06:00 घंटे	30:00 घंटे
मॉड्यूल 9: संसाधनों का इष्टतम उपयोग	08:00 घंटे	16:00 घंटे	00:00 घंटे	06:00 घंटे	30:00 घंटे
कुल अवधि	150:00 घंटे	240:00 घंटे	00:00 घंटे	120:00 घंटे	510:00 घंटे

मॉड्यूल का विवरण

मॉड्यूल 1: जल जीवन मिशन का परिचय और कार्य भूमिका

ब्रिज मॉड्यूल

अंतिम परिणाम:

- जल जीवन मिशन की प्रासंगिकता और प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा करें।
- जल मित्रा की भूमिका का वर्णन करें।

अवधि: 04:00	अवधि: 00:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्रैक्टिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> जल जीवन मिशन की प्रासंगिकता की व्याख्या करें। जल जीवन मिशन की प्रमुख विशेषताएँ बताएं। जल मित्रा की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की सूची बनाएं। 	
कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियाँ:	
कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक	
टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं	
कुछ नहीं	

मॉड्यूल 2: जल संरक्षण

PSC/N0146, v 1.0 में मैप किया गया

अंतिम परिणाम:

- गांव के घरों, खेतों और छोटे समुदायों में जल संरक्षण की आवश्यकता और समाधान की चर्चा करें।
- जल संरक्षण संरचनाओं की योजना और निर्माण में शामिल गतिविधियों का प्रदर्शन करें।
- जल संरक्षण संरचनाओं के लिए रखरखाव और मरम्मत संबंधी गतिविधियां करने के तरीके दिखाएं।

अवधि: 22:00	अवधि: 40:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्रेक्टिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> वैश्विक, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय जल संकट परिदृश्य पर चर्चा करें। मात्रा और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जल संरक्षण की आवश्यकता की व्याख्या करें। जल संरक्षण संरचनाओं की स्थिरता सुनिश्चित करने की आवश्यकता की व्याख्या करें। जल संरक्षण में समुदाय और संगठनों की भूमिका पर चर्चा करें। गांवों के लिए जल संरक्षण योजनाओं को स्पष्ट करें। वर्षा जल संचयन के दायरे का अनुमान लगाने के लिए आवश्यक सूचनाओं की सूची बनाएं। पानी के विभिन्न प्राकृतिक स्रोतों को याद करें। विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं और उनके अनुप्रयोगों की व्याख्या करें, जैसे, समोच्च खाइयां, तालाब, वाटरशेड, जल बेसिन, स्टॉप डैम, आदि। गांव के आवास, खेत या छोटे समुदाय के लिए उपयुक्त साधारण जल संरक्षण संरचना के चयन के मानदंडों की सूची बनाएं। जल संचयन संरचना के निर्माण के लिए स्थल की पहचान करने के लिए विचारणीय कारकों का उल्लेख करें। माप और गणना में सटीकता के महत्व को बताएं। क्षेत्रफल, लंबाई, परिमाप, व्यास, परिधि, आयतन, द्रव्यमान, बल, दबाव, स्केल, अनुपात आदि की गणना करने के लिए आवश्यक गणितीय सूत्रों की पहचान करें। जल संरक्षण संरचनाओं में वर्षा जल के 	<ul style="list-style-type: none"> छत, खेत या छोटे समुदाय सहित जलग्रहण क्षेत्र के लिए वार्षिक वर्षा के आधार पर वर्षा जल वर्षा जल संचयन क्षमता की गणना करें। चिनाई, गारा, कंक्रीट आदि तैयार करने सहित चिनाई कार्य करके जल संचयन संरचनाओं के निर्माण से संबंधित कार्यों का प्रदर्शन करें। जल संचयन संरचनाओं पर नियमित रूप से की जाने वाली सफाई और रखरखाव गतिविधियों का प्रदर्शन करें। दोषपूर्ण जल संचयन संरचनाओं की मरम्मत करने के चरणों को दिखाएं। जल संबंधित बजटिंग में शामिल प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।

<p>संरक्षण के लिए प्रक्रियाओं और सावधानियों पर चर्चा करें।</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्लंबिंग उद्योग के लिए प्रासंगिक मानकों का सार प्रस्तुत करें। • जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक सामग्री, टूल्स, उपकरण और श्रम की पहचान करें। • जल संचयन संरचनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक सामग्री, टूल्स, उपकरण और श्रम का आकलन करने और उन्हें स्रोतित करने के तरीके की व्याख्या करें। • जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, संचालन और रखरखाव प्रक्रियाओं पर चर्चा करें। • जल संरक्षण संरचनाओं में जल संग्रहण और भंडारण करते समय वायु और जल संदूषण, अपरदन और अवसादन से बचने के लिए किए गए उपायों का उल्लेख करें। • जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण और रखरखाव के दौरान किए जाने वाले स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों की सूची बनाएं। 	
कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियां:	
कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक	
टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं	
जल संचयन संरचनाओं के निर्माण के अभ्यास के लिए जगह, छत के ऊपर जल संचयन संरचना तैयार करने के लिए भवन, मिट्टी खोदने के लिए टूल्स, टेप मापन, लेवलिंग टूल। प्लंब बॉब, सीपीवीसी पाइप और फिटिंग, 1 फीट व्यास ह्यूम/आरसीसी पाइप और फिटिंग, वाल्व (2-वे और 3-वे, आरडब्ल्यूएच संरचना, फ्लश), सीलिंग सॉल्यूशन/पेस्ट, खूंटे, रस्सी, बोल्ट्स और बजरी, चिनाई सामग्री और टूल्स, फिल्टर मीडिया जैसे जली हुई ईंटें, ढक्कन के साथ 1000 लीटर का ड्रम, भंडारण टैंक, 250 माइक्रोन फिल्टर, मेष	

मॉड्यूल 3: गंदे पानी का प्रबंधन

PSC/N0147, v 1.0 में मैप किया गया

अंतिम परिणाम:

- ग्रामीण आवासों, खेतों और छोटे समुदायों में भूजल प्रबंधन की आवश्यकता और समाधान की चर्चा करें।
- घरों और समुदायों में गंदे पानी के पुनः उपयोग के लिए सोक पिट और किचन गार्डन के निर्माण में शामिल गतिविधियों का प्रदर्शन करें।
- सोक पिट और किचन गार्डन के लिए मरम्मत संबंधी गतिविधियों का प्रदर्शन करें।

अवधि: 22:00	अवधि: 36:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्रैक्टिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> • घरों में अन्य प्रकार के जल से गंदे पानी को अलग करें। • घरों में विभिन्न प्रकार के गंदे पानी के स्रोतों की सूची बनाएं। • घरेलू और सामुदायिक दोनों स्तरों पर भूजल प्रबंधन के लाभों पर चर्चा करें। • गंदे पानी के प्रबंधन की आकलन प्रक्रिया की व्याख्या करें। • गंदे पानी की गुणवत्ता और इसके जोखिम मूल्यांकन के बारे में चर्चा करें। • घरेलू और सामुदायिक स्तर पर भूजल प्रबंधन के लिए विभिन्न तकनीकों की सूची बनाएं। • सोक पिट और किचन गार्डन के निर्माण के लिए आवश्यक सामग्री, टूल्स और उपकरणों की सूची बनाएं। • सोक पिट और किचन गार्डन के निर्माण के लिए आवश्यक सामग्री और टूल्स का आकलन करने और उन्हें स्रोतित करने की व्याख्या करें। • सामुदायिक सोक पिट (संदर्भ- स्वच्छ भारत मिशन दिशानिर्देश) के लिए निर्माण और रखरखाव प्रक्रियाओं की व्याख्या करें। • हवा और जल प्रदूषण, कटाव और अवसादन से बचने के लिए किए जा सकने वाले उपायों की सूची बनाएं। • सोक पिट और किचन गार्डन के निर्माण और रखरखाव के दौरान किए जाने वाले स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों का उल्लेख करें। • गंदे पानी के प्रबंधन में समुदाय और संगठनों की भूमिका पर चर्चा करें। • गंदे पानी के प्रबंधन के लिए ग्राम कार्य योजना बनाते समय विचार किए जाने वाले प्रमुख कारकों को याद करें। 	<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिदिन एक घर के लिए औसत गंदे पानी के उत्पादन का अनुमान लगाते हुए औसत की गणना करें। • उत्पन्न गंदे पानी के उपचार के लिए आवश्यक सोक पिट के आकार की गणना करें। • भू-जल के शोधन और पुनर्भरण के लिए सोक पिट के निर्माण में शामिल कार्यों का प्रदर्शन करें। • गंदे पानी के पुनः उपयोग के लिए किचन गार्डन के निर्माण में शामिल कार्यों का प्रदर्शन करें। • दोषपूर्ण सोक पिट और किचन गार्डन में दोषों की जांच के लिए कदम उठाएं। • दोषपूर्ण सोक पिट और किचन गार्डन में दोषों को सुधारने में शामिल गतिविधियों का प्रदर्शन करें।

कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियां:

कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक

टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं

किचन गार्डन और सोक पिट के साथ विभिन्न उद्देश्यों के लिए दैनिक आधार पर जल का उपयोग करके खुदाई, गंदे पानी, नीले जल और काले जल के नमूने, जल मात्रा मापन उपकरण, मिट्टी खोदने के लिए उपकरण, टेप मापन, लेवलिंग टूल्स, प्लंब बॉब, सीपीवीसी पाइप एवं फिटिंग, 1 फीट व्यास ह्यूम/आरसीसी पाइप और फिटिंग, वाल्व (2-वे और 3-वे, आरडब्ल्यूएच संरचना, फ्लश), सीलिंग सॉल्यूशन/पेस्ट, खूंटे, रस्सी, बोल्ट्स और गोल पत्थर, चिनाई सामग्री और टूल्स, फिल्टर मीडिया, जल गुणवत्ता मापन किट।

मॉड्यूल 4: दूरस्थ जल निगरानी और प्रबंधन

PSC/N0148, v 1.0 में मैप किया गया

अंतिम परिणाम:

- दूरस्थ जल निगरानी और प्रबंधन में सेंसर और आईओटी आधारित उपकरणों की भूमिका पर चर्चा करें।
- ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रमों में प्रयुक्त आईओटी आधारित रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम की कार्यक्षमता का आकलन करने में शामिल विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन करें।

अवधि: 26:00	अवधि: 32:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्रैक्टिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न प्रकार के सेंसर और उनके अनुप्रयोगों की सूची बनाएं। दूरस्थ जल निगरानी और प्रबंधन में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के आईओटी आधारित उपकरणों को याद करें। आईओटी आधारित पाइप जल निगरानी प्रणाली के घटकों की पहचान करें। दूरस्थ जल निगरानी प्रणाली के डैशबोर्ड से उपलब्ध जानकारी पर चर्चा करें। आईओटी आधारित रिमोट वाटर मॉनिटरिंग सिस्टम के रखरखाव के महत्व की व्याख्या करें। आईओटी आधारित रिमोट वाटर मॉनिटरिंग सिस्टम में होने वाले सामान्य दोषों के बुनियादी समस्या निवारण की प्रक्रिया पर चर्चा करें। आईओटी आधारित दूरस्थ जल निगरानी प्रणालियों से निपटते समय पालन किए जाने वाले स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं रक्षा दिशानिर्देशों पर चर्चा करें। 	<ul style="list-style-type: none"> आईओटी आधारित दूरस्थ जल निगरानी प्रणाली के डैशबोर्ड को पढ़ने और उनकी व्याख्या करने में शामिल चरणों का पालन करें। उपकरण के लिए जल और करंट की उचित आपूर्ति उपलब्ध है या नहीं, इसकी जांच करने का तरीका दिखाएं। किसी भी क्षति या अनुचित उपयोग के लिए केबलों की जांच करने के चरणों का पालन करें। उपकरण टर्मिनल पर सेंसर से उचित एनालॉग/डिजिटल सिग्नल प्राप्त होने की जांच करने का तरीका दिखाएं। दूरस्थ निगरानी प्रणाली की समस्या निवारण के चरणों का पालन करें।
कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियां: कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक	
टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं स्मार्टफोन, एनालॉग और डिजिटल सेंसर जो तापमान, जल स्तर, दबाव, स्तर आदि को मापते हैं, भूजल स्तर सेंसर, प्रवाह सेंसर, पानी की टंकी के अंदर जल स्तर सेंसर, बोरवेल, आईओटी आधारित पाइप वाटर मॉनिटरिंग सिस्टम	

मॉड्यूल 5: सामाजिक संलग्नता

PSC/N0149, v 1.0 में मैप किया गया

अंतिम परिणाम:

- सामाजिक संलग्नता योजनाओं की योजना बनाने के लिए डेटा एकत्र करने के लिए कदम उठाएं।
- भागीदारी और स्वामित्व बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न सामुदायिक लामबंदी गतिविधियों का प्रदर्शन करें।

अवधि: 28:00	अवधि: 34:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्रेक्टिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> जल संरक्षण और कुशल जल उपयोग से संबंधित विभिन्न समाधानों और योजनाओं पर चर्चा करें। विभिन्न जल संरक्षण और कुशल जल उपयोग समाधान और योजनाओं की योजना बनाने के लिए आवश्यक डेटा और जानकारी का वर्णन करें। जल संरक्षण के लिए आवश्यक डेटा प्राप्त करने का तरीका समझाएं। डेटा सत्यापन और डेटा त्रिकोणासन के महत्व की व्याख्या करें। एकत्र किए गए डेटा और जानकारी को संबंधित अधिकारियों को सौंपने से पहले उसके सत्यापन के महत्व की व्याख्या करें। बुनियादी जल गुणवत्ता मैपिंग और जल बजट अवधारणाओं और प्रथाओं पर चर्चा करें। भौगोलिक क्षेत्र के लिए पेयजल गुणवत्ता परीक्षण करने का तरीका बताएं। जल बजट और जल गुणवत्ता मैपिंग के लिए सूचनाओं के मिलान के महत्व पर चर्चा करें। समुदाय में उस स्थान की पहचान करने का तरीका बताएं, जहां जल गुणवत्ता बोर्ड लगाए जा सकते हैं। जल संरक्षण और कुशल जल उपयोग प्रथाओं और योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए समुदाय की भूमिका और समुदाय के सदस्यों को जुटाने के महत्व पर चर्चा करें। जल संरक्षण और कुशल जल उपयोग समाधान और योजनाओं के चयन और कार्यान्वयन में शामिल हितधारकों की सूची बनाएं। सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पीआरए) गतिविधियों, संरचना और इसमें समुदायों को शामिल करने के तरीके पर विचार साझा करें। 	<ul style="list-style-type: none"> ग्राम जल और स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) के परामर्श से पानी की आवश्यकताओं का अनुमान लगाने के लिए सर्वेक्षण करने में शामिल प्रमुख कदमों का प्रदर्शन करें। जल संरक्षण, गंदे पानी के पुनः उपयोग और जल उपयोग दक्षता के लिए समुदाय से संबंधित डेटा और सुझावों को एकत्रित करने में शामिल गतिविधियों का प्रदर्शन करें। हितधारक विश्लेषण करने के लिए उपयुक्त तकनीकों को लागू करें। जल संरक्षण और जल उपयोग दक्षता प्रथाओं के लिए विभिन्न योजनाओं में भाग लेने के उद्देश्य से समुदायों के साथ रोल प्ले नामांकन पर बातचीत करें। जल संरक्षण और कुशल जल उपयोग के लिए योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए ग्राम समितियों और ग्राम पंचायत के साथ समन्वय गतिविधियों को नाटक-रूप में बदलें। जल संचयन संरचनाओं की उचित योजना, सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत में जल गुणवत्ता बोर्ड स्थापित करने में शामिल गतिविधियों का प्रदर्शन करें। प्रचार अभियानों के हिस्से के रूप में कार्यशालाओं के संचालन, फ़्लायर्स वितरण, रैलियों के आयोजन और अन्य जागरूकता निर्माण गतिविधियों में शामिल गतिविधियों का प्रदर्शन करें। स्थापित प्रणालियों और संरचनाओं के उपयोग और देखभाल के लिए स्थानीय स्तर के विभिन्न हितधारकों के प्रशिक्षण को नाटक-रूप में बदलें।

<ul style="list-style-type: none"> • सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पीआरए) गतिविधियों के लिए रोडमैप तैयार करने का तरीका बताएं। • ग्राम जल और स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) और अन्य ग्रामीण समितियों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां बताएं • सामुदायिक स्तर पर आवश्यक सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन की चर्चा करें। • ग्रामीण सामाजिक संलग्नता योजनाओं में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के अभियानों और अभियान गतिविधियों का वर्णन करें। • त्रिकोणीयकरण के लिए विभिन्न धर्मों, जातियों और आयु समूहों वाले गाँव के विविध सामाजिक समूहों की भागीदारी सुनिश्चित करने के महत्व को स्पष्ट करें • समुदाय के सदस्यों और अन्य हितधारकों के जागरूकता निर्माण के महत्व को बताएं। • स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफाई आदि जैसे महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान खोजने के लिए समुदाय के सदस्यों के बीच बातचीत और चर्चा शुरू करने के महत्व पर चर्चा करें। • समुदाय के सदस्यों को संलग्न करने वाले और तकनीकों की प्रमुख विशेषताओं की सूची बनाएं। • स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावी सामुदायिक संलग्नता उपकरणों और तकनीकों के निर्माण के लिए सुझाव प्रदान करने के महत्व को बताएं। • जल संरक्षण संरचनाओं की सफाई और रखरखाव के प्रमुख पहलुओं की व्याख्या करें। 	
कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियां:	
कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक	
टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं	
स्मार्टफोन, सैपल प्रचार मीडिया सामग्री, स्टेशनरी	

मॉड्यूल 6: सेवा वितरण और प्रबंधन

PSC/N0150, v 1.0 में मैप किया गया

अंतिम परिणाम:

- सेवा वितरण और प्रबंधन की विभिन्न अवधारणाओं पर चर्चा करें।
- विभिन्न सेवा वितरण और प्रबंधन गतिविधियों का प्रदर्शन करें।

अवधि: 24:00	अवधि: 34:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्रेक्टिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> • योजना और समय प्रबंधन के महत्व की व्याख्या करें। • परियोजनाओं के कुशल वितरण के लिए योजना बनाने की प्रक्रिया पर चर्चा करें। • प्रभावी योजना बनाने के लिए प्रमुख उपकरणों की सूची बनाएं। • ग्राहक की जरूरतों एवं आवश्यकताओं और प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्यों की पहचान करने के तरीके पर चर्चा करें। • सामग्री और श्रम के आकलन और लागत की प्रक्रिया का वर्णन करें। • अनुमोदन और सुझावों के लिए योजना को हितधारकों के साथ साझा करने के महत्व को बताएं। • अधिकृत स्रोतों से योजना के अनुसार संसाधनों की व्यवस्था करने का तरीका स्पष्ट करें। • गुणवत्ता, निरंतरता और लागत प्रभावशीलता बनाए रखने के महत्व को बताएं। • उद्देश्यों की पूर्ति हो रही है या नहीं, यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य की समीक्षा के महत्व को बताएं। • कार्य गुणवत्ता का मूल्यांकन करने का तरीका बताएं और जांच करें कि सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए किसी और कार्रवाई की आवश्यकता है या नहीं। • किए गए कार्य के बारे में हितधारकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के महत्व को बताएं। • उपभोग की गई सामग्री और सूची के रिकॉर्ड को बनाए रखने के महत्व को बताएं। • सूक्ष्म उद्यम के लिए बुनियादी लेखांकन सिद्धांतों की व्याख्या करें। • मार्जिन और नकदी प्रवाह की गणना करने का तरीका बताएं। • गुणवत्ता और निरंतरता बनाए रखते हुए लागत प्रभावशीलता बढ़ाने के अवसरों की चर्चा करें। 	<ul style="list-style-type: none"> • उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सैंपल चेकलिस्ट, कार्यों की चेकलिस्ट और गतिविधियों की अनुसूची विकसित करें। • आवश्यक सामग्री और श्रम के अनुमान और लागत की गणना करें। • हितधारक के सहयोग से किसी योजना को क्रियान्वित करने में उपयुक्त तकनीकों को लागू करें। • उपभोग की गई सामग्री और इन्वेंट्री का रिकॉर्ड बनाए रखने का तरीका दिखाएँ। • आय/राजस्व, व्यय, मार्जिन और नकदी-प्रवाह के लिए खातों को बनाए रखने का तरीका दिखाएँ।
कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियां: कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक	
टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं योजना और लेखा प्रारूप	

मॉड्यूल 7: स्वास्थ्य और सुरक्षा

PSC/N0136, v 1.0 में मैप किया गया

अंतिम परिणाम:

- कार्यस्थल पर विभिन्न जोखिमों एवं खतरों और उनके निवारक एवं सुधारात्मक उपायों का वर्णन करें
- खुद को और दूसरों को कार्यस्थल के सामान्य खतरों और जोखिम से बचाने के लिए निवारक और सुधारात्मक उपायों को अपनाएं

अवधि: 16:00	अवधि: 32:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्रेक्टिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> जोखिम और खतरों के बीच अंतर करें। घरेलू, वाणिज्यिक और संस्थागत व्यवस्थाओं में आने वाली विशिष्ट सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर चर्चा करें। ऐसे विभिन्न प्रकार के खतरों (जैसे भौतिक, आग, रासायनिक यौगिकों और विद्युत) की सूची बनाएं जो कार्य प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। नलसाजी स्थापना और रखरखाव के दौरान होने वाले विभिन्न खतरनाक वातावरणों और सामान्य खतरों की सूची बनाएं, साथ ही उनके लिए बरती जाने वाली सावधानियों और उपचारात्मक उपायों की सूची बनाएं। विभिन्न प्रकार के व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के महत्व पर चर्चा करें। चर्चा करें कि कार्यस्थल पर सामान्य स्वास्थ्य और सुरक्षा उपकरण सामान्यतः कहाँ रखे जाते हैं। कार्य प्रक्रिया में विभिन्न प्रकार के सुरक्षा संकेतों और उनके महत्व की व्याख्या करें। आग लगने के विभिन्न कारणों और आग दुर्घटना को रोकने के लिए एहतियाती गतिविधियों पर चर्चा करें। उन विभिन्न तकनीकों की सूची बनाएं जो प्रकार (क्लास A, B, C और D के अनुसार) के अनुसार आग बुझाने के लिए प्रयुक्त विभिन्न तरीकों (जैसे अग्निशामक, पानी की नली, स्पिंकलर, रेत की बाल्टी, गीला कंबल, आदि का उपयोग करना) और पानी, पाउडर, फोम, CO₂, आग बुझाने वाले रसायन, रेत, कंबल इत्यादि जैसी सामग्री का उपयोग करती हैं। आग के खतरे या बिजली के झटके के दौरान लागू की जाने वाली बचाव तकनीकों का वर्णन करें। झटके, बिजली के झटके, रक्तस्राव, मामूली जलन, विषाक्तता, आँख में चोट जैसी स्थितियों के लिए उपयुक्त प्राथमिक उपचार पर चर्चा करें। 	<ul style="list-style-type: none"> जोखिमों और खतरों की पहचान करने के लिए कार्य क्षेत्र का निरीक्षण करें। प्लंबिंग कार्य के दौरान बरती जाने वाली विभिन्न स्वास्थ्य और सुरक्षा सावधानियों को लागू करें। व्यक्तिगत और कार्यक्षेत्र स्वच्छता और स्वच्छता प्रथाओं को लागू करें। रोल प्ले का उपयोग करके कार्यस्थल की आपातस्थिति और निकासी प्रक्रियाओं को नाटकीय बनाएं। अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग का प्रदर्शन करें। नाटक, रोल प्ले का उपयोग करते हुए, किसी व्यक्ति को बिजली के झटके से मुक्त करने के सुरक्षित तरीके को प्रदर्शित करें। रक्तस्राव, जलन, दम घुटने, बिजली के झटके और जहर और चोट जैसी विभिन्न स्थितियों के लिए उपयुक्त प्राथमिक उपचार करें। कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) प्रदान करने की प्रक्रिया को प्रदर्शित करें।

- गलत तरीके से टूल्स और उपकरणों को हैंडल करने से जुड़ी संभावित चोटों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर चर्चा करें।

कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियां:

कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक

टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं

व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (जैसे नेत्र रक्षक, कठोर टोपी, सुरक्षा बेल्ट, दस्ताने, सुरक्षात्मक कपड़े), नलसाजी उपकरण और सामग्री, बिजली उपकरण, आवश्यक मशीनरी, अग्निशामक, प्राथमिक चिकित्सा किट।

मॉड्यूल 8: टीम प्रभावशीलता

PSC/N0138, v 1.0 में मैप किया गया

अंतिम परिणाम:

- टीम और हितधारकों के साथ प्रभावी संचार तकनीकों को लागू करें।
- श्रमिकों के प्रश्नों, चिंताओं को हेंडल करने और कल्याण के तरीकों का वर्णन करें।
- किसी ऐसी स्थिति पर रोल प्ले करें जिसमें सभी लिंगों और पीडब्ल्यूडी के लिए सम्मान का संकेत देने वाले व्यवहारों को प्रदर्शित किया गया है।

अवधि: 16:00	अवधि: 32:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्रैक्टिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> • कार्यस्थल में प्रभावी संचार के महत्व और किसी कर्मचारी, नियोक्ता और ग्राहक पर खराब संचार के प्रभाव का उल्लेख करें। • प्रभावी संचार के विभिन्न घटकों की सूची बनाएं। • संचार के विभिन्न तरीकों के फायदे और नुकसान बताएं। • संगठनात्मक और व्यक्तिगत सफलता में टीम वर्क के महत्व को बताएं। • समूह की गतिशीलता और प्रक्रियाओं का वर्णन करें • पारस्परिक मतभेदों के सामान्य कारणों और इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के तरीकों की सूची बनाएं। • शिकायतों और समस्याओं से उचित और प्रभावी ढंग से निपटने के संभावित तरीकों पर चर्चा करें • लक्ष्य निर्धारण की अवधारणा और स्वयं एवं टीम के लिए इसके महत्व की व्याख्या करें। • कार्यस्थल उत्पादकता और टीम प्रभावशीलता में सुधार के लिए प्लंबिंग कार्य स्थल पर लागू किए जा सकने वाले सामान्य उपायों का उल्लेख करें। • स्व: रोजगार और प्रदर्शन की शर्तों के लिए प्रासंगिक कानून, मानकों, नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन करने के महत्व पर चर्चा करें। • अस्वीकार्य व्यवहार के प्रकारों पर चर्चा करें। • पेशेवर सफलता के लिए नैतिकता और अनुशासन के महत्व की व्याख्या करें • कार्यस्थल और समाज में लिंग, विकलांगता, सांस्कृतिक और उम्र से संबंधित पूर्वाग्रहों, रूढ़िबद्धता के प्रभाव की व्याख्या करें। • सरकारी निकायों द्वारा पीडब्ल्यूडी और कार्यस्थल में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ परिभाषित कानूनों, अधिनियमों, प्रावधानों और योजनाओं का उल्लेख करें। 	<ul style="list-style-type: none"> • कार्यकर्ता की शिकायतों और चिंताओं से निपटने की अच्छी प्रथाओं को दर्शाने वाली स्थितियों का नाटकीय रूपांतर दें। • टीम के सदस्यों के बीच के मतभेदों से निपटने की प्रक्रिया का नाटकीय रूपांतर दें। • विभिन्न प्रशासनिक कर्तव्यों और कार्मिक कर्तव्यों का प्रदर्शन करें। • ऐसी समावेशी भाषा (मौखिक, गैर-मौखिक और लिखित) के उपयोग का प्रदर्शन करें जो लिंग, विकलांगता और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील है। • विनम्रता, मुखरता, देखभाल, व्यावसायिकता और गैर-पक्षपाती दृष्टिकोण को व्यक्त करने के लिए उपयुक्त स्वर, पिच और भाषा के उपयोग का नाटकीय रूपांतर दें। • नियमित लेन-देन से लिंग, विकलांगता, जाति, धर्म, रंग, यौन अभिविन्यास और संस्कृति के आधार पर व्यक्तिगत पूर्वाग्रह को खत्म करने के लिए प्रथाओं का प्रदर्शन करें। • कार्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए टीम के प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत कार्य प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देने का तरीका प्रदर्शित करें। • विभिन्न प्लंबिंग कार्यों को सही ढंग से करने के लिए श्रमिकों के प्रशिक्षण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रदर्शन करें।

<ul style="list-style-type: none"> • बुनियादी लिंग अवधारणाओं पर चर्चा करें जैसे कि लिंग शक्ति संबंध, लिंग भूमिकाएं, पहुंच और नियंत्रण, लिंग संवेदनशीलता, लिंग समानता और निष्पक्षता। • लिंग संवेदनशीलता और समानता के महत्व पर चर्चा करें। • कार्यस्थल पर लिंग, विकलांगता, जाति, धर्म, रंग, यौन अभिविन्यास और संस्कृति के आधार पर उत्पीड़न और भेदभाव के प्रकारों और संकेतकों पर चर्चा करें। • उत्पीड़न और भेदभाव के खिलाफ सुरक्षा के लिए लागू सामान्य संगठनात्मक मानदंडों और प्रक्रियाओं का वर्णन करें। • उत्पीड़न और भेदभाव की घटनाओं के बारे में उपयुक्त प्राधिकारी को सूचित करने के महत्व पर चर्चा करें। • प्लंबिंग टीम के प्रदर्शन में अंतराल के सामान्य कारणों के साथ-साथ अंतर को पाटने के संभावित समाधानों की सूची बनाएं। • कार्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए टीम के प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत कार्य निष्पादन पर फीडबैक प्रदान करने के महत्व को स्पष्ट करें। • साइट पर प्लंबिंग गतिविधियों में शामिल कर्मचारियों के प्रशिक्षण के महत्व की व्याख्या करें। 	
कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियां:	
कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक	
टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं	
कुछ नहीं	

मॉड्यूल 9: संसाधनों का इष्टतम उपयोग

SGJ/N1702, v 1.0 में मैप किया गया

अंतिम परिणाम:

- कार्य के दौरान सामग्री का इष्टतम तरीके से उपयोग करें।
- कार्य पर ऊर्जा/बिजली का बेहतर उपयोग करें।
- अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के लिए प्रथाओं को नियोजित करें।
- उद्योग द्वारा अनुमोदित मानकों के अनुसार अपशिष्ट निपटान की प्रक्रिया को प्रदर्शित करें।

अवधि: 08:00	अवधि: 16:00
थ्योरी - अध्ययन के प्रमुख परिणाम	प्राैक्तिकल - अध्ययन के प्रमुख परिणाम
<ul style="list-style-type: none"> सामग्री और पानी के अकुशल उपयोग की प्रथाओं और प्रभाव पर चर्चा करें। इस प्रक्रिया में सामग्री और पानी को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के तरीकों का वर्णन करें। बिजली की मूल बातें समझाएं। प्लंबिंग कार्यस्थल में उपयोग किए जाने वाले सामान्य विद्युत और तापीय उपकरणों की सूची बनाएं। प्रचलित ऊर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग का वर्णन करें। सामान्य विद्युत समस्याओं के संकेतकों की सूची बनाएं। बिजली के संरक्षण की सामान्य प्रथाओं पर चर्चा करें। उपकरण/मशीन सामान्य रूप से काम कर रही है या नहीं, इसकी जाँच कार्य शुरू करने से पहले करने के महत्व को समझाएं और सुनिश्चित करें कि इसे ठीक किया गया है। कूड़ेदान के विभिन्न रंगों के उपयोग के बारे में बताएं। पुनरावर्तनीय और गैर-पुनर्नवीनीकरण और उत्पन्न खतरनाक कचरे के बीच अंतर करें। कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं पर चर्चा करें। प्लंबिंग गतिविधियों से उत्पन्न कचरे को कम करने के लिए संगठनों द्वारा नियोजित सामान्य तरीकों पर चर्चा करें। प्रदूषण के सामान्य स्रोतों और इसे कम करने के तरीकों पर चर्चा करें। समय पर उपकरण के रख-रखाव में खराबी (धुएँ/चिंगारी/उत्सर्जन/कंपन/शोर) और चूक की रिपोर्ट करने के महत्व को स्पष्ट करें। 	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न कार्यों/गतिविधियों/प्रक्रियाओं में पानी और अन्य सामग्रियों के उपयोग को इष्टतम बनाने के तरीकों की पहचान करें। कार्यस्थल पर फैलाव/रिसाव की जांच के लिए निरीक्षण करें। प्लंबिंग के संबंध में विभिन्न सामग्री संरक्षण प्रथाओं को लागू करें। गलत तरीके से कनेक्ट किए गए विद्युत् उपकरणों के लिए कार्य क्षेत्र का निरीक्षण करें। ऊर्जा/बिजली का इष्टतम तरीके से उपयोग करने के लिए उपयुक्त तकनीकों को लागू करें। कचरे को सूखे, गीले, पुनर्चक्रण योग्य, गैर-पुनर्नवीनीकरण योग्य और एकल-उपयोग प्लास्टिक की वस्तुओं में वर्गीकृत करें। प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन/पुनर्चक्रण प्रथाओं को नियोजित करें।
कक्षा में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्रियाँ: कंप्यूटर, प्रोजेक्शन उपकरण, पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन और सॉफ्टवेयर, फैसिलिटेटर गाइड, प्रतिभागी हैंडबुक	
टूल्स, उपकरण और अन्य आवश्यकताएं ऊर्जा बचाने वाले उपकरण, गैर-पुनर्नवीनीकरण, पुनः प्रयोज्य और पुनः प्रयोज्य अपशिष्ट	

अनुलग्नक

प्रशिक्षक आवश्यकताएँ

प्रशिक्षक पूर्वपेक्षाएँ						
न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	विशेषज्ञता	प्रासंगिक उद्योग अनुभव		प्रशिक्षण अनुभव		टिप्पणियाँ
		वर्ष	विशेषज्ञता	वर्ष	विशेषज्ञता	
बी.टेक/ बी.ई.	सिविल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग	3	प्लंबिंग	2	प्लंबिंग	
डिप्लोमा	सिविल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग	5	प्लंबिंग	2	प्लंबिंग	

प्रशिक्षक प्रमाणीकरण	
डोमेन प्रमाणन	प्लेटफार्म प्रमाणन
क्यूपी: "PSC/Q0117, v1.0" में मैप की गई कार्य भूमिका: "जल मित्रा" को प्रमाणित किया गया है। न्यूनतम स्वीकृत स्कोर 80% है।	अनुशंसित है कि प्रशिक्षक को क्वालिफिकेशन पैक: "MEP/Q2601" में मैप की गई कार्य भूमिका: "प्रशिक्षक" के लिए प्रमाणित किया गया है। एमईपीएससी दिशानिर्देशों के अनुसार न्यूनतम स्वीकृत स्कोर 80% है।

मूल्यांकनकर्ता आवश्यकताएँ

प्रशिक्षक पूर्वपेक्षाएँ						
न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	विशेषज्ञता	प्रासंगिक उद्योग अनुभव		प्रशिक्षण अनुभव		टिप्पणियाँ
		वर्ष	विशेषज्ञता	वर्ष	विशेषज्ञता	
बी.टेक/ बी.ई.	सिविल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग	5	प्लंबिंग	2	प्लंबिंग	
डिप्लोमा	सिविल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग	7	प्लंबिंग	2	प्लंबिंग	

प्रशिक्षक प्रमाणीकरण	
डोमेन प्रमाणन	प्लेटफार्म प्रमाणन
क्यूपी: "PSC/Q0117, v1.0" में मैप की गई कार्य भूमिका: "जल मित्रा" को प्रमाणित किया गया है। न्यूनतम स्वीकृत स्कोर 80% है।	अनुशंसित है कि प्रशिक्षक को क्वालिफिकेशन पैक: "MEP/Q2601" में मैप की गई कार्य भूमिका: "प्रशिक्षक" के लिए प्रमाणित किया गया है। एमईपीएससी दिशानिर्देशों के अनुसार न्यूनतम स्वीकृत स्कोर 80% है।

मूल्यांकन रणनीति

मूल्यांकन उन तीसरे पक्षों द्वारा किया जाता है जो मूल्यांकन निकाय के रूप में आईपीएससी से संबद्ध होते हैं। मूल्यांकनकर्ताओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से आईपीएससी द्वारा प्रशिक्षित और प्रमाणित किया जाता है। मूल्यांकन में दो प्रक्रियाएं शामिल हैं। पहली प्रक्रिया व्यक्तियों की योग्यता के प्रमाण एकत्र करती है। मूल्यांकन प्रक्रिया का दूसरा भाग निर्णय है, जो इस बात के प्रमाण पर आधारित है कि कोई व्यक्ति मानक के अनुसार सक्षम है या नहीं। मूल्यांकन योजना में निम्नलिखित जानकारी शामिल होती है:

- किसका मूल्यांकन किया जाएगा, यानी प्रत्येक एनओएस के आधार पर योग्यता
- मूल्यांकन कैसे होगा यानी मूल्यांकन के तरीके
- मूल्यांकन कब होगा
- कहां मूल्यांकन होगा यानी मूल्यांकन का संदर्भ (कार्यस्थल/सिमुलेशन)
- निर्णय लेने के लिए मानदंड अर्थात वे पहलू जो निर्णयों का मार्गदर्शन करेंगे और
- जहां उपयुक्त हो, वहां प्रदर्शन के स्तर पर निर्णय लेने के लिए किसी भी पूरक मानदंड का उपयोग किया जाता है।

मूल्यांकन सिद्धांत, मौखिक और प्रैक्टिकल के माध्यम से आयोजित किया जाता है।

संदर्भ

शब्दावली

शब्द	विवरण
घोषणात्मक जानकारी	घोषणात्मक ज्ञान उन तथ्यों, अवधारणाओं और सिद्धांतों को संदर्भित करता है जिन्हें किसी कार्य को पूरा करने या किसी समस्या को हल करने के लिए जानने और/या समझने की आवश्यकता होती है।
मुख्य अध्ययन परिणाम	मुख्य अध्ययन परिणाम इस बात का विवरण है कि अंतिम परिणाम प्राप्त करने के लिए शिक्षार्थी को क्या जानने, समझने और करने में सक्षम होने की आवश्यकता है। मुख्य अध्ययन परिणामों का एक सेट प्रशिक्षण परिणामों को तैयार करेगा। प्रशिक्षण परिणाम ज्ञान, समझ (सिद्धांत) और कौशल (प्राैक्टिकल अनुप्रयोग) के संदर्भ में निर्दिष्ट है।
ओजेटी (M)	ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण (अनिवार्य); प्रशिक्षुओं को साइट पर प्रशिक्षण के निर्दिष्ट घंटों को पूरा करना अनिवार्य है।
ओजेटी (R)	ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण (अनुशंसित); प्रशिक्षुओं को साइट पर प्रशिक्षण के निर्दिष्ट घंटों की सिफारिश की जाती है।
प्रक्रियात्मक ज्ञान	प्रक्रियात्मक ज्ञान यह बताता है कि किसी चीज़ को कैसे करना है, या किसी कार्य को कैसे करना है। यह काम करने, या संज्ञानात्मक, भावात्मक या साइकोमोटर कौशल को लागू करके ठोस कार्य परिणाम उत्पन्न करने की क्षमता है।
प्रशिक्षण परिणाम	प्रशिक्षण परिणाम इस बात का विवरण है कि प्रशिक्षण पूरा होने पर शिक्षार्थी क्या जानेगा, समझेगा और क्या करने में सक्षम होगा।
अंतिम परिणाम	अंतिम परिणाम इस बात का विवरण है कि मॉड्यूल के पूरा होने पर शिक्षार्थी क्या जानेगा, समझेगा और क्या करने में सक्षम होगा। अंतिम परिणाम का एक सेट प्रशिक्षण परिणाम प्राप्त करने में मदद करता है।



परिवर्णी शब्द और संक्षिप्त शब्द

शब्द	विवरण
क्यूपी	कालिफिकेशन पैक
एनएसक्यूएफ	राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा
एनएसक्यूसी	राष्ट्रीय कौशल योग्यता समिति
एनओएस	राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक